Roll No. .....

Total No. of Pages : 4+2

Total No. of Questions : 13

पूर्वमध्यमा द्वितीयखण्ड

विषय कोड : 616

सामान्य हिंदी

पञ्चम् प्रश्नपत्र

समय : 1½ घण्टे

पूर्णांक : 50

निर्देश : (*i*) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) प्रत्येक प्रश्न हेतु अंक निर्धारित हैं।

(*iii*) आरम्भ में दिये गये वस्तुनिष्ठ प्रश्न सबसे पहले हल कीजिए।

1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द का चयन कर कीजिए। 4

(1) तुलसीदास ..... के कवि थे।

(कृष्णभक्ति शाखा/रामभक्ति शाखा)

(2) सरस्वती पत्रिका का सम्पादन ..... ने किया।

(हजारी प्रसाद द्विवेदी/महावीर प्रसाद द्विवेदी)

(3) सिंगार शब्द का तत्सम रूप ..... है।

(शृंगार/श्रंगार)

(4) बेला परिवार की सबसे ..... बहू है।

(शिक्षित/धनवान)

330

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक वाक्य या एक शब्द में दीजिए : 2

(1) 'समय नहीं मिलता' पाठ के लेखक कौन हैं ?

(2) जिसके आगमन की तिथि निश्चित न हो उसे क्या कहते हैं ?

3. निम्नलिखित वाक्यों के सत्य/असत्य का चयन कीजिए-

(1) 'आप सब भोजन करें' इच्छावाचक वाक्य है। ½

(2) योगी अरविन्द नर्मदा किनारे स्वामी ब्रह्मानंद के दर्शन करने गये। ½

(3) 'यदि गद्य कवियों या लेखकों की कसौटी है, तो निबन्ध गद्य की कसौटी है।' उक्त कथन बाबू गुलाबराय का है। ½

(4) समास के तीन भेद होते हैं। ½

4. सही जोड़ी बनाइये :

(1)	उपकार मानने वाला	—	चिरंजीवी	½
(2)	लम्बे समय तक जीने वाला	—	लेखक की निजी वस्तु	½
(3)	डायरी	—	कृतज्ञ	½
(4)	अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद	—	आठ	½
		—	तीन	

331

5. कवि तुलसीदासजी को अपनी इंद्रियों पर हँसी क्यों आती है ? 3

अथवा

मीरा ने राम रतन धन को अमोलक क्यों कहा है ?

6. कवि के अनुसार 'चरण रत्नेश धो रहा' से क्या तात्पर्य है ? 3

अथवा

'विद्वता की शोभा अहंकार नहीं, विनम्रता है।' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

7. संस्कृति से आप क्या समझते हैं ? भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ बताइए। 3

अथवा

''कुटुम्ब एक महान वृक्ष है। छोटी-बड़ी सभी डालियाँ उसकी छाया को बढ़ाती हैं।'' 'सूखी डाली' एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. रिपोर्ताज किस भाषा का शब्द है ? इस विधा के **दो** लेखकों के नाम लिखिए। 3

अथवा

कहानी और उपन्यास में अंतर लिखिए।

9. गद्य और पद्य में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिये। 3

332

अथवा

'संस्मरण' का शाब्दिक अर्थ लिखते हुए **दो** संस्मरण लेखकों के नाम लिखिए।

10. निम्नलिखित पद्यांश की सन्दर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : (कोई **एक**) 5

प्राण आह्लादित नहीं औ'

रागिनी भी बेसुरी है,

क्षत विक्षत संवेदनाएँ हैं

मूक मन की बांसुरी है,

आज संजीवन जगाने

फूँक दे जो प्राण तन में

है मुझे विश्वास दृढ़ तुम मलय-मारुत सम चलोगे।

अथवा

''बादल टूटे बरसा जीवन,

भीगा मरुथल महका मधुवन

पेड़ों की छाएँ हुई गहरी

इसका साथी दिन का प्रहरी।

333

11. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

"भारत विविधताओं वाला देश है। यहाँ अनेक धर्म, भाषाएँ, परम्पराएँ पायी जाती हैं। फिर भी भारत की विशेषता अनेकता में एकता है। भारत में ऐतिहासिक एकता है। कश्मीर से केरल तक भारत का इतिहास एक है। प्राचीन काल से ही संस्कृत भाषा ने राष्ट्रीयता को मजबूत किया है। भारत में सभी धर्म के मानने वाले परस्पर प्रेमभाव से रहते हैं। देश में खान-पान, रहन-सहन, भाषा की विविधताओं के बावजूद राष्ट्रीयता की भावना दिखाई देती है। राजनीतिक दृष्टि से भी भारत एक है और एक रहेगा।

प्रश्न :

(1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(2) गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(3) भारत की मुख्य विशेषता क्या है ?

(4) अनेकता तथा मजबूत के विलोम शब्द लिखिए।

12. परीक्षा अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबन्ध लगाने हेतु जिलाधीश को एक शिकायती-पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने जन्मदिन पर अपने मित्र को निमंत्रित करते हुए एक पत्र लिखिए।

334

13. (अ) निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर सारगर्भित निबन्ध **200** से **250** शब्दों में लिखिए। 7

(ब) शेष विषयों में से किसी **एक** की बिन्दुवार रूपरेखा लिखिए। 3

(1) पर्यावरण प्रदूषण समस्या, कारण, निदान

(2) कम्प्यूटर मानव जीवन की आवश्यकता

(3) समय का सदुपयोग

(4) राष्ट्रीय एकता

(5) बेटी है तो कल है

(6) भारत स्वच्छता अभियान

(7) साहित्य और समाज।

335

SET- A

2018-19

प्राशिनक कोड क्रं 2/1915

पृष्ठ क्र. 01

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा. नहिन्दी विषय कोड 616 माध्यम .....

कुल प्रश्न .....

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
उत्तर1	रिक्त स्थान की पूर्ति —	4 अंक
	1. रामभक्ति शाखा	
	2. महावीर प्रसाद द्विवेदी	
	3. शृंगार	
	4. शिक्षित	
उत्तर2	1. श्री भुन्नारायण अग्रवाल	2 अंक
	2. अतिथि	
उत्तर3	सत्य / असत्य का चयन —	(2 अंक)
	1. सत्य	1/2
	2. सत्य	1/2
	3. असत्य	1/2
	4. असत्य	1/2
उत्तर4	1. इच्छा (2) चिरंजीवी	2 अंक
	(3) लेखक की निजि वस्तु (4) आठ	
उत्तर5	कवि को अपनी इंद्रियों पर हंसी आती है। यह इसलिए कि जब तक वह इंद्रियों के वश में था, तब तक उन्होंने उसे मनमाना नाच-नचाकर उसकी खूब हंसी उड़ाई, लेकिन अब स्वतंत्र होने पर यानी मन इन्द्रियों को जीत लेने पर उनसे वह अपनी हंसी नहीं करा रहा है। अब तो उन पर ही वह हंस रहा है।	3 अंक
	अथवा/OR	
	हस्ताक्षर	

02

प्राश्निक कोड क्रं 2/1915

पृष्ठ क्र. ....

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा. हिन्दी विषय कोड 614 माध्यम ....

कुल प्रश्न ....

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	मीरा ने राम रतन धन को अमोलक इसलिए कहा है क्योंकि वह जन्म-जन्मान्तर की पूंजी है जिसका उपयोग ईश प्राप्ति के लिए किया जाता है। यह धन खर्च करने से घटता नहीं है तथा कोई भी चोर इसे चुरा नहीं सकता है। इसके साथ-साथ ही यह धन दिन-प्रतिदिन सवाया होता चला जाता है। इसलिए मीरा ने राम-रतन-धन को अमोलक कहा है।	
उत्तर 6	जिसके चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है से कवि का आशय है- भारत देश विश्व का ऐसा महान देश है जिसकी महानता को प्रकृति भी स्वीकारती है। उसको मान-प्रतिष्ठा देने के लिए ही समुद्र बार-बार उसके चरणों को स्पर्श कर फूले नहीं समाता है। भारतवर्ष के दक्षिण में अर्थात चरणों की ओर सागर है। इसलिए कवि ने कहा है - इसके चरण निरंतर सागर पखार रहा है	3 अंक
	अथवा/OR	
उत्तर	माघ पंडित को अपनी विद्वता पर अहंकार था। पर एक वृद्धा कवि माघ	

हस्ताक्षर ....

337

प्राश्निक कोड क्रं 2 | 1915

पृष्ठ क्र. 03

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा० हिन्दी विषय कोड 616 माध्यम

कुल प्रश्न

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	के अभिमानयुक्त पांडित्य को अस्वीकृत करते हुए उन्हें विनम्र और शालीन बनने की सीख देती है। मनुष्य की विनयशीलता, विनम्र तथा शालीन आचरण उसकी विशिष्ट पहचान होती है। अपने धन तथा ज्ञान वैभव में भी अभिमान रहित रहने वाले लोग संसार में महान बनते हैं।	
उत्तर 7	संस्कृति शब्द बड़ा व्यापक है। संस्कृति मनुष्य के भूत, वर्तमान और भावी जीवन का सर्वांगीण विकास, उसकी प्रगति का आधार है। संस्कृति के विविध रूपों का उत्तराधिकार हमारे साथ चलता है। धर्म, दर्शन, साहित्य उसी के अंग हैं। लेखक ने संस्कृति को मन का मन, प्राणों का प्राण और शरीर का शरीर निरूपित किया है। भारतीय संस्कृति है - बड़ों का सम्मान, गुरुओं का सम्मान, अतिथि देवो भव, सर्वधर्म समभाव, परधर्म सहिष्णुता, साम्प्रदायिक एकता। सारी पृथ्वी ही अपना परिवार। सभी प्राणी सुखी रहें, सभी निरोगी रहें, कोई दुखी न रहे।	3 अंक

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्रं 2 | 1915

पृष्ठ क्र. 04

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा. हिन्दी विषय कोड 616 माध्यम

कुल प्रश्न

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	अथवा/OR	
उत्तर7	"कुटुम्ब एक महान वृक्ष है। छोटी-बड़ी सभी डालियाँ उसकी छाया को बढ़ाती है।	
	उपर्युक्त कथन की सत्यता है। कुटुम्ब का अर्थ संयुक्त परिवार से है तो वह सचमुच मे एक महान वटवृक्ष की डालियो के समान है जिनसे सुख तथा शांति का वातावरण बना रहता है अगर ये न होते तो कुटुम्ब बिखर जाता और कही का न रह जाता। चारो तरफ अशांति और दुख की लपटे उठने लगती। इस आधार पर यह कहना बिल्कुल ही सत्य है कि कुटुम्ब एक महान वृक्ष है।	
उत्तर8	रिपोर्ताज एक नवीन विधा है जो फ्रेंच भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है रोचक और ~~भावात्मक~~ भावात्मक चित्रण। अंग्रेजी मे इसे Report भी कहते है।	3 अंक
	लेखक - कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' धर्मवीर भारती रांगेय राघव	

हस्ताक्षर

339

प्राश्निक कोड क्रं 2/1915

पृष्ठ क्र. 05
प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा०हिन्दी विषय कोड 616 माध्यम

कुल प्रश्न

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	अथवा/OR	
1.	कहानी जीवन के किसी एक खण्ड का चित्रण करती है तथा उपन्यास में सम्पूर्ण जीवन का चित्रण होता है।	
2.	कहानी में एक ही कथा होती है जबकि उपन्यास में मुख्य कथा के साथ-साथ गौण कथाएँ भी होती हैं।	
3.	कहानी का आकार लघु होता है। जबकि उपन्यास का दीर्घ होता है।	
4.	कहानी कम समय में सघन प्रभाव डालती है। जबकि उपन्यास में प्रत्येक स्थल में वह प्रभावशीलता नहीं होती है।	
उत्तर 9	वाक्यों में अभिव्यक्त विचार प्रधान रचना गद्य कहलाती है तथा आरोहण-अवरोहण से युक्त छंद एवं लय में भावों की अभिव्यक्ति पद्य कहलाती है।	3 अंक
	अथवा/OR	
उत्तर	संस्मरण का शाब्दिक अर्थ होता है - सम्यक स्मरण। जब लेखक स्वयं की अनुभूति किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा घटना का मार्मिक वर्णन अपनी स्मृति के आधार पर करता है तब उसे संस्मरण कहते हैं। संस्मरण विवरण प्रधान होता है।	

हस्ताक्षर

340

प्राश्निक कोड क्रं 2/1915

06

पृष्ठ क्र. ....

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा. हिन्दी विषय कोड 616 माध्यम ....

कुल प्रश्न ....

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	लेखक :- विष्णु प्रभाकर, रांगेय राघव, निर्मल वर्मा, धर्मवीर भारती आदि।	
उत्तर 10	संदर्भ - उपर्युक्त पंक्तियां हमारी पाठ्य पुस्तक वासंती की "तुम वही दीपक बनोगे" से ली गई है। इसके रचयिता दिवाकर वर्मा है। प्रसंग :- युवाओं के वर्तमान की विसंगतियों की ओर संकेत कर परिवर्तन करने की इच्छा प्रकट कर रहे है। व्याख्या :- आज के युग में परिस्थितियों से मन संतापित है। आनंद भाव तथा जीवन के सहज गीत मन से दूर हो चुके हैं। हमारी भावनाएं मृतप्राय: है। मन की बांसुरी संगीत विहिन हो चुकी है। ऐसे समय में युवाओं के प्रभात की संजीवनी की तरह मन-प्राणों को जगा सकते है। वे ऐसी मधुर सुगंधित वायु बन सकते है, जो निराशा, भीरुता से मुक्ति दिला सके।	5 अंक

(अन्य सटीक व्याख्या लेखन पर स्वविवेक से अंक प्रदान करें।)

हस्ताक्षर

341

प्राश्निक कोड क्रं 2/1915

पृष्ठ क्र. 07

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा.हिन्दी विषय कोड 616 माध्यम ....

कुल प्रश्न ....

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
	अथवा / OR	
	संदर्भ – पाठ का नाम - "बरखा-गीत"	
	कवि का नाम - रामनाथ अवस्थी	
	प्रसंग – प्रस्तुत पद्यांश में वर्षा से सभी ओर जीवन का संचार हो गया है। इसका वर्णन किया गया है।	
	व्याख्या – आकाश में बादलों के छा जाने एवं बरसने से सभी प्राणियों के जीवन में आनंद की बरसात हो गई है। वर्षा के कारण सूखी धरती भीग गई। मधुवन सुगन्धित हो उठा। वृक्षों पर पत्तियां निकलने से उसकी छाया घनी हो गई। इस छाया का साथ देने वाला दिन का प्रहरी सूरज छाया के साथ है।	(अन्य सटीक व्याख्या लेखन पर स्वविवेक से अंक प्रदान करें।)
	विशेष:- सरल सुबोध खड़ी बोली प्राणदायिनी वर्षा का सुंदर वर्णन प्रस्तुत किया है।	
उत्तर 2.	"राष्ट्रीय एकता"	5 अंक
	भारत की विशेषता अनेकता में एकता की भावना है। भारत में ऐतिहासिक, भौगोलिक राजनीतिक एकता है, विविधताओं के बावजूद भारत राष्ट्र एक है और सदैव रहेगा।	

हस्ताक्षर ....

(अन्य सटीक सारांश पर स्वविवेक से अंक प्रदान करें।)

342

प्राश्निक कोड क्रं 2/1915

पृष्ठ क्र. 08

प्रश्न पत्र/आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम :- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम/द्वितीय

विषय सा. हिन्दी विषय कोड 616 माध्यम

कुल प्रश्न

समय - 3 घण्टा

पुर्णांक 50

निर्देश

प्रश्न क्रमांक		प्रश्न के लिए अधिकतमअंक
3.	भारत की मुख्य विशेषता अनेकता में एकता है।	
4.	शब्द — विलोम अनेकता — एकता मजबूत — कमजोर	
उत्तर-	सम्बोधन (अग्रभाग) मुख्य विषय (मध्यभाग) समापन (अन्तिम भाग)	5 अंक
उत्तर	(अ) निबंध की प्रस्तावना, विषय-वस्तु, उपसंहार एवं प्रस्तुतीकरण की सटीक, मौलिक एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति पर 7 अंक दिये जाये।	7 अंक
	(ब) रूपरेखा बिन्दुवार लिखने पर 3 अंक देना है।	3 अंक

हस्ताक्षर

Hemlata Bagde.

343